

---

# Jnanamargokta Pancha Makara Stotram

---

## ज्ञानमार्गोक्त पञ्चमकारस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Jnanamargokta Pancha Makara Stotram

File name : panchamakArastotram.itx

Category : devii, ShaTchakrashakti, stotra

Location : doc\_devii

Proofread by : Aruna Narayanan

Latest update : December 24, 2021

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 24, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

ज्ञानमार्गोक्त पञ्चमकारस्तोत्रम्



पार्वत्युवाच-

देवदेव जगन्नाथ! कृपाकर! मयि प्रभो!

आगमोक्त-मकारांश्च ज्ञानमार्गेण ब्रूहि मे ॥ १ ॥

ईश्वर उवाच-

कलाः सप्तदश प्रोक्ता अमृतं स्राव्यते शशी ।

प्रथमा सा विजानीयादितरे मद्यपायिनः ॥ २ ॥

कर्माकर्मपशून् हत्वा ज्ञानखड्गेन चैव हि ।

द्वितीयं विन्दते येन इतरे मांसभक्षकाः ॥ ३ ॥

मनोमीनं तृतीयं च हत्वा सङ्कल्प-कल्पनाः ।

स्वरूपाकार वृत्तिश्च शुद्धं मीनं तदुच्यते ॥ ४ ॥

चतुर्थं भक्ष्यभोज्यं न भक्ष्यमिन्द्रिय-निग्रहम् ।

सा चतुर्थी विजानीयादितरे भ्रष्टकारकाः ॥ ५ ॥

हंसः सोऽहं शिवः शक्तिर्द्राव आनन्दनिर्मलाः ।

विज्ञेया पञ्चमीतीदमितरे तिर्यगामिनेः ॥ ६ ॥

स द्रावश्चक्षुः-पात्रेण पूज्यते यत्र उन्मनी ।


दिद्युल्लेखाशिवैकेमां साध्यन्ते दैवसाधकाः ॥ ७ ॥

पूजकस्तन्मयानन्दः पूज्य-पूजकवर्जितः ।


स्वसंवेद्य-महानन्दस्तन्मयं पूज्यते सदा ॥ ८ ॥

इति श्रीरुद्रयामले उमामहेश्वरसंवादे पञ्चमकारस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan

——  
*Jnanamargokta Pancha Makara Stotram*

pdf was typeset on September 24, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

